जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 250 प्रभात उदयपुर, शनिवार 13 जुलाई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमित मालवीया ने राहुल की स्मृति ईरानी के मुतल्लिक की गई टिप्पणी को झूठा व सहानुभूति बटोरने का प्रयास बताया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। अमेठी के घाव अभी भरे नहीं हैं और राहुल गांधी तर्क और शान्ति के स्वर में बोल रहे हैं।

एक ट्वीट में राहुल गांधी ने कहा है - "जीत और हार तो जीवन में होती ही रहती है।"

"मेरा सभी लोगों से कहना है कि हार-जीत को लेकर स्मृति ईरानी या अन्य किसी नेता के लिये अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने तथा अप्रिय (शब्दों का प्रयोग करने) से बचें।"

"लोगों को नीचा दिखाना तथा उन्हें अपमानित करना कमज़ोरी की निशानी है, ताकत की नहीं।"

अमेठी से लोकसभा चुनाव हार जाने के बाद, स्मृति ईरानी ने लुटियन्स दिल्ली, का मन्त्रियों वाला अपना सरकारी बँगला कल खाली कर दिया। सोशल मीडिया पर उन्हें बहुत ज्यादा ट्रोल किया गया। ऐसा करने वाले ज्यादातर कांग्रेसजन तथा राहुल के प्रति सहानुभूति रखने वाले लोग थे।

इस ट्रोलिंग की प्रतिक्रिया में राहुल गांधी ने यह ट्वीट किया।

भाजपा के अलावा हर व्यक्ति द्वारा राहुल गांधी के इस ट्वीट को उनकी सद्भावना व उदारता के रूप में देखा जा रहा है। पर भाजपा राहुल गांधी की आलोचना कर रही है।

- "एक तरफ तो कांग्रेस ने स्मृति ईरानी को तंग करने के लिये, पीछा करने के लिये सोशल मीडिया पर, कांग्रेस समर्थकों की भीड़ छोड़ रखी है, दूसरी ओर राहुल गांधी सहानुभूति दिखाते हुए ट्वीट करते हैं।"
- अमित मालवीया कुछ भी कहें, पर, राहुल गांधी की टिप्पणी को भारी समर्थन मिला, आम जनता से तथा यह राउण्ड निःसंदेह राहुल गांधी के पक्ष में गया है।
- स्मृति ईरानी ने लूटियन्स दिल्ली का सरकारी बंगला, जो उन्हें निवास हेतु आवंटित था, आज खाली कर दिया।
- राहुल, एक दूसरे को नीचा दिखाने की इस प्रवृत्ति के युद्ध में विजयी नज़र आए, अपना बडप्पन दिखाकर। क्योंकि, 2019 में जब राहुल गांधी अमेठी संसदीय चुनाव, स्मृति ईरानी के मुकाबले में हार गये थे तो उनकी बहुत खिल्ली उड़ायी गयी थी तथा राहुल गांधी को कभी न जीत सकने वाला पप्पू व राजनीति में कुछ हासिल ना करने की क्षमता रखने वाला अयोग्य राजनीतिज्ञ बताया था।

एक दूसरे को नीचा दिखाने के इस खेल में, राहुल गांधी एक सहिष्णु स्वर के रूप में उभरे हैं, जबकि भाजपा उस समय अपनी खुशी एवं उत्साह को नहीं छुपा सकी थी, जब 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी अमेठी सीट पर स्मृति ईरानी से हार गए थे।

उस समय राहुल का भारी मज़ाक उड़ाया गया था तथा उन्हें पराजित एवं "नॉन परफॉर्मर" बताया गया था।

पर 2024 में स्थितियाँ उलट गई हैं। राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़े, जबकि गांधी परिवार के एक समर्थक के.एल. शर्मा ने अमेठी से स्मृति ईरानी को हरा दिया।

स्मृति ईरानी की हार का उत्सव भाजपा कार्यकर्ताओं तक ने मनाया था, जिसका कारण सम्भवतः ईरानी की हेकड़ी एवं अहंकार था।

भाजपा राहुल के इस ट्वीट से असहज दिखाई दे रही है। अमित मालवीय ने तो इसे एक कपटपूर्ण मैसेज की संज्ञा दी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने स्मृति ईरानी, जिन्होंने राहुल गांधी को अमेठी छोड़ने के लिये मजबूर कर दिया था, के खिलाफ पार्टी के लोग भेड़ियों के झुन्ड की तरह खुले छोड़ रखे थे।

इस बार, मन, वचन और कर्म-सब कुछ राहुल गांधी के पक्ष में रहा है तथा उन्होंने, इस तथा अन्य मुद्दों पर, भाजपा के उन्माद (हिस्टीरिया) के प्रदर्शन के बजाय, एक धीर-गम्भीर परिपक्व व्यक्ति की तरह व्यवहार किया है।

25 जून, संविधान हत्या दिवस घोषित

- सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। देश के आम चुनावों में चुनावी नुकसान के बाद कांग्रेस के प्रति प्रतिशोधात्मक कार्यवाही करते हुए मोदी सरकार ने आज एक अधिसूचना जारी कर 25 जून को "संविधान हत्या दिवस" के रूप में मनाने की घोषणा की, वर्ष 1975 में इसी दिन आपातकाल घोषित किया गया था।

इसकी शुरुआत के बारे में घोषणा करते हुए, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विशेष रूप से कांग्रेस का उल्लेख करते हुए कहा कि "संविधान हत्या दिवस" को मनाने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता की शाश्वत लौ ज्वलंत बनाए रखने में तथा प्रत्येक भारतीय के भाव जीवित बनाए रखने में मदद मिलेगी, इस प्रकार से कांग्रेस जैसी तानाशाही वाली ताकतों को "दुबारा भयाक्रांत" करने से रोका जा सकेगा।

- केन्द्रीय गृह मंत्री ने विशेष रूप से कांग्रेस का उल्लेख करते हुए यह घोषणा की। इस संबंध में शुक्रवार को गज़ट अधिसूचना जारी की गई।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी अधिसूचना में उल्लेख किया गया है कि आपातकाल की घोषणा 25 जून, 1975 को की गई थी, परिणामस्वरूप उसके बाद के दिन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हैडलाइन बटोरने की कवायद'

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। कांग्रेस ने आज मोदी सरकार की 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में घोषित करने की कड़ी आलोचना की और इस कदम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा "समाचारों की सुर्खियां बटोरने का एक पाखंड" बताया है।

कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस घोषणा के बाद आई है कि सरकार ने 25 जून, जिस दिन वर्ष 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई थी, को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है, ताकि उन लोगों को "विशाल योगदान" को याद किया जा सके जिन्होंने उस अवधि के दौरान अमानवीय कष्टों को सहन किया था।

- कांग्रेस ने, मोदी सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करने पर उक्त टिप्पणी की और कहा कि भविष्य में चार जून को "मोदी मुक्ति दिवस" मनाया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव (प्रभारी, सूचना) जयराम रमेश ने इस पर तंज कसा कि "अब यह "नॉन बायोलॉजिकल" प्रधानमंत्री के द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राजनीति में हार-जीत तो लगी ही रहती है'

राहुल गांधी ने ट्वीट कर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व नेताओं से अपील की कि स्मृति ईरानी के लिये ओछी भाषा का उपयोग न करें और न ही गंदी व चुभने वाली टिप्पणियाँ लिखें

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। प्रतिशोध और कलह से भरे हुये राजनैतिक दौर में एक दुर्लभ भाव-भंगिमा का परिचय देते हुये, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की है कि वे पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के प्रति "अप्रिय" टिप्पणी करने से बचें। ज्ञातव्य है कि स्मृति ईरानी ने 2019 में अमेठी सीट पर राहुल को 55,000 वोटों से हराया था तथा उसके बाद, इस साल हुये आम चुनाव में वे गांधी परिवार के वफादार किशोरी लाल शर्मा से 1.61 लाख से अधिक वोटों से हार गई थीं। उल्लेखनीय है कि शर्मा का यह पहला ही चुनाव था।

राहुल गांधी की इस सद्भावनापूर्ण मुद्रा का महत्व इस तथ्य के चलते और बढ़ जाता है कि 2019 में ईरानी ने उन पर कटाक्ष करते हुये कहा था कि "भाजपा की एक साधारण कार्यकर्ता ने गांधी परिवार का बोरिया-बिस्तर गोल कर दिया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आज की राजनीति के संकीर्ण तथा अंध भक्ति वाले स्तर से ऊपर उठ कर विपक्ष के नेता ने अपने शब्दों के द्वारा एक बड़ी रेखा खींच दी है और उनके ये शब्द उनके आचरण एवं व्यवहार से मेल खा रहे हैं।

- स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार के पुराने वफादार किशोरी लाल शर्मा को कांग्रेस द्वारा अमेठी में उम्मीदवार बनाने पर, कहा था कि यह घटना सबूत है कि कांग्रेस ने अमेठी में हार स्वीकार कर ली, मतदान से पहले ही।
- राहुल गांधी के रायबरेली व वायनाड से चुनाव लड़ने पर, स्मृति ईरानी ने कहा था, यह दूसरी बार है कि राहुल गांधी अमेठी से भागे हैं। वे पहली बार 2019 में भी अमेठी से हार कर भाग गये थे।
- 2019 की जीत के बाद, स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार पर व्यंग कसा था कि "भाजपा के एक साधारण कार्यकर्ता ने गांधी परिवार को, सामान पैक करके, घर जाने को मजबूर कर दिया है।"

आज "एक्स" पर ट्वीट करते हुये गांधी, जो इस समय लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, ने लिखा है, "जीत और हार" तो जीवन में होती रहती है। मैं प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह करता हूँ कि स्मृति ईरानी या किसी भी अन्य नेता के प्रति अपमानजनक भाषा तथा अप्रिय शब्दों का प्रयोग न करें।"

यहाँ यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी इस अपील के पीछे कौन सी विशिष्ट घटना रही, लेकिन राहुल गांधी की यह अपील उनके इस रूख के अनुरूप ही है कि वे राजनीति के एक वैकल्पिक अर्थात भिन्न ब्रॉन्ड के पक्षधर हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि घृणा एवं द्वेष के इस वातावरण में "मोहब्बत की दुकान" खोलना चाहते हैं।

चुनावों से पहले यह चर्चा जोरों पर थी कि राहुल गांधी 2024 के अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रीट पेपर लीक के मास्टर माइंड ने कई राज़ उगले

आरोपी हनुमान मीणा ने पुलिस को बताया कि उसने रीट, लिपिक, पटवारी व एस.आई. परीक्षा में डमी प्रत्याशी बिठाए थे

टोंक, 12 जुलाई (निसं)। रीट परीक्षा में डमी कैन्डिडेट बैठाए जाने के मामले में स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने कोटा में तैनात रहे राजस्वकर्मी और टोंक जिले के बिलौता गांव के निवासी हनुमान मीणा को चार दिन के रिमांड पर लेकर कई राज़ उगलवाए हैं।

- हनुमान मीणा ने टोंक में बिलौता निवासी रामलाल मीणा की जगह डमी प्रत्याशी बिठाया था।
- रामलाल मीणा की गिरफ्तारी के बाद हनुमान मीणा की भूमिका सामने आई और पुलिस ने उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की।

जानकारी के अनुसार, हनुमान मीणा ने टोंक में बिलौता निवासी राम लाल मीणा की जगह डमी कैन्डिडेट की व्यवस्था की थी, जिसे लेकर टोंक में प्रकरण भी दर्ज हुआ। एस.ओ.जी. पिछले चार दिनों से इस मामले में पूछताछ कर रही है, जिसमें सामने आया है कि उसने रीट ही नहीं बल्कि लिपिक, पटवारी और एस.आई. भर्ती परीक्षा में भी डमी कैन्डिडेट बैठाया है।

जांच अधिकारी द्वारा दस्तावेज जांच के दौरान फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद आर.पी.एस.सी. के अनुभाग अधिकारी ने अजमेर के सिविल लाइन्स थाने में ज़ीरो एफ.आई.आर. दर्ज कराई थी, जिसका प्रकरण टोंक जिला मुख्यालय स्थित कोतवाली थाने में दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी रामलाल मीणा की गिरफ्तारी होने के बाद हनुमान मीणा की भूमिका का भी खुलासा हुआ था। जांच अधिकारी और ए.एस.पी. गीता चौधरी ने बताया कि दर्ज प्रकरण को लेकर रिमांड पर चल रहे हनुमान मीणा का जालौर व सांचौर कनैक्शन भी सामने आया है। रामलाल के लिए जिस डमी कैन्डिडेट को टोंक के दरबार स्थित परीक्षा केंद्र पर बिठाया गया था, वह सांचौर का रहने वाला प्रवीण विश्नोई था। यह भी खुलासा हुआ है कि प्रवीण विश्नोई के लिये बिचौलिये का काम जालौर निवासी महेंद्र विश्नोई ने किया था।

आरोपी हनुमान मीणा की 4 दिन की रिमांड खत्म होने के बाद सी.जे.एम. कोर्ट में पेश किया गया था, जहां कोर्ट ने उसे पुनः चार दिन की रिमांड पर भेज दिया। गौरतलब है कि एस.ओ.जी. ने हनुमान मीणा की गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

भाजपा ने चुनाव के पूर्व गूगल पर विज्ञापन पर 116 करोड़ खर्च किये, कांग्रेस ने केवल 39 करोड़

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। जिस बात पर प्रायः संदेह व्यक्त किया जा रहा था, वह अब हाल ही जारी गूगल एड्स ट्रांसपैरेंसी रिपोर्ट से पुष्ट हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार हाल ही सम्पन्न लोकसभा चुनावों में गूगल एड्स पर्चेज़ करने के मामले में भाजपा ने कांग्रेस से दो गुने से भी ज्यादा खर्च किया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि फरवरी और मई माह के दौरान गूगल पर 3,811 विज्ञापनों की तुलना में भाजपा ने गूगल के वीडियो औरा इमेज़ फॉर्मेट्स पर 1,84,247 विज्ञापन प्रसारित किए। इस अवधि में भाजपा ने गूगल एड्स पर 116 करोड़ रूपए व्यय किए जबकि कांग्रेस ने मात्र 39 करोड़ रूपए व्यय किए।

मजेदार बात यह है कि सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन्स (सी.बी.सी.), जिसे पूर्व में डी.ए.वी.पी. के नाम से जाना जाता था ने, भी लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने पूर्व भारी व्यय किया। सी.बी.सी. ने 1 जनवरी से 16 मार्च तक 877 विज्ञापन जारी कर सरकार की योजनाओं और नीतियों का आक्रामक प्रचार किया।

- गूगल द्वारा जारी "गूगल एड्स ट्रांस्परैन्सी रिपोर्ट" से यह भी उजागर हुआ कि क्षेत्रीय पार्टियों ने गूगल पर विज्ञापन बिल्कुल नहीं दिये
- केवल अपवाद थी, नवीन पटनायक की पार्टी बी.जे.डी. जो गूगल एड्स में विज्ञापन देने की दृष्टि से तीसरे नम्बर पर रही देश में।
- रिपोर्ट में यह भी जाहिर हुआ कि डिजिटल मीडिया का महत्व बढ़ रहा है, चुनावी विज्ञापनों की दृष्टि में।
- जैसा कि विदित ही है, अब तक डिजिटल एड्स (विज्ञापनों) को सहयोगी मीडिया की दृष्टि से देखा जाता था, पर, अब लग रहा है कि, भविष्य में डिजिटल एड्स की मुख्य भूमिका हो जायेगी, चुनावी विज्ञापन की दृष्टि से।

डिजीटल स्पेस पर भाजपा के प्रभुत्व को चुनौतियां भी मिलीं और गूगल के नीतिगत उल्लंघनों के कारण आठ विज्ञापन हटाने पड़े। उनमें से एक विज्ञापन तो एक विवादास्पद वीडियो एड से संबंधित है जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को "मुस्लिम" नामक एक बड़े पक्षी को फण्ड्स की फीडिंग करते दिखाया गया था, जबकि अपेक्षाकृत छोटे पक्षियों का नाम एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. था, जिन्हें भूखा रहने दिया गया।

रिपोर्ट एक अन्य दिलचस्प पहलू के बारे में बताती है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और समाजवादी पार्टी जैसी महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियों ने गूगल एड्स पर खर्चा नहीं किया, शायद इसलिए कि चुनाव प्रचार के परम्परागत तरीकों पर उन्हें ज्यादा भरोसा था। इस मामले में नवीन पटनायक का बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) अपवाद रहा। डिजीटल एड्स पर खर्च के मामले में यह पार्टी तीसरे स्थान पर रही।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक प्रचार में एक बड़ा शिफ्ट देखने को मिला। कभी विज्ञापन के पूरक उपकरण के रूप में मानी जाने वाली डिजीटल एडवर्टाइज़िंग चुनाव प्रचार का प्रमुख माध्यम बनी। भविष्य के चुनावों में राजनीतिक पार्टियां ऑनलाइन एड्स के लिए अधिक धन का प्रावधान कर संभवतः डिजीटल प्लेटफॉर्म्स पर अपना फोकस बढ़ाकर वोटर्स को आकर्षित करेंगी।

लिलीपूल को लेकर देवराज और लालित्या पाबंद

जयपुर, 12 जुलाई (का.सं.)। अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-9 महानगर प्रथम ने सेंट्रल पार्क के पास स्थित लिलीपूल प्रोपर्टी को लेकर यथा स्थिति बनाये रखने के आदेश दिए हैं। अदालत ने पूर्व राजपरिवार के सदस्य देवराज और लालित्या को पाबंद किया है कि वह इस संपत्ति को गिरवी और बेचान सहित किसी अन्य व्यक्ति को किसी भी तरह अंतरित ना करें। अदालत ने यह आदेश मैसर्स रामबाग पैलेस होटल की ओर से दायर अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अतिरिक्त जिला न्यायालय ने राजमाता गायत्री देवी के पौत्र देवराज व पौत्री लालित्या को पाबंद किया है कि वे लिलीपूल को ना तो बेच सकते हैं ना गिरवी रख सकते हैं।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता रामजी लाल गुप्ता ने बताया कि लिलीपूल परिसर प्रार्थी रामबाग पैलेस होटल प्रा.लि. का है और लाइसेंस डीड के अनुसार इस संपत्ति का स्वामित्व प्रार्थी कंपनी को मिला हुआ है। यहां तक की पूर्व राजमाता गायत्री देवी भी इसके उपयोग के बदले मासिक तीन हजार रुपए बतौर लाइसेंस फीस अदा करती थीं। गायत्री देवी की मृत्यु के बाद देवराज और लालित्या ने लिलीपूल पर अवैध कब्जा कर लिया है। अब वे दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोक अदालत का आयोजन आज

जयपुर, 12 जुलाई (का.सं.)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट सहित प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत का शुभारंभ राजस्थान हाईकोर्ट में सुबह दस बजे किया जाएगा। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इस शुभारंभ कार्यक्रम का

- राजस्थान हाई कोर्ट एवं अधीनस्थ न्यायालयों में शनिवार को लोक अदालत लगेगी। इसका उद्घाटन सुबह दस बजे हाई कोर्ट में होगा। लेकिन हाई कोर्ट बार एसोसिशन ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने की घोषणा की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा नेता यासीन खान पर सड़क के बीचों बीच जानलेवा हमला

गंभीर रूप से घायल यासीन की इलाज के दौरान एस.एम.एस. अस्पताल में मौत हो गई

नारायणपुर, 12 जुलाई (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के एक नेता पर बदमाशों ने सड़क के बीचों बीच कुल्हाड़ी व अन्य हथियारों से हमला कर दिया। हमले में भाजपा नेता बुरी तरह से घायल हो गए उन्हें इलाज के लिए जयपुर लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार भाजपा यासीन खान गुरुवार को एक अन्य भाजपा नेता परमेंद्र शर्मा और एडवोकेट जितेंद्र शर्मा के साथ किसी काम से जयपुर गए थे। काम निपटाने के बाद शाम को तीनों अलवर के लिए रवाना हो गए थे। इसी दौरान विजयपुरा गांव के पास बोलेरो और थार जीप में सवार करीब 12 बदमाशों ने इनकी कार को बीच सड़क पर रोक लिया। बदमाशों ने यासीन खान को कार से बाहर घसीट लिया और मारना शुरु कर दिया। हमलावर इतनी बेरहमी से यासीन खान को मार रहे थे कि उनके साथ मौजूद उनके दो साथी भी उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं कर पाए। बदमाशों ने खान को करीब 15 से 20 मिनट तक बेरहमी से पीटा। इस दौरान उन्होंने हाथ-पैर और कमर पर कई वार किए जिससे वहां की हड्डियां टूट गई। यासीन गंभीर रुप से घायल हो गए तब हमलावर यासीन को वहीं छोड़कर फरार हो गए। घायल यासीन को उनके साथी जयपुर के सवाई मानसिंह (एस.एम.एस.) हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

- घटना कोटपूतली-बहरोड़ जिले के विजयपुरा गांव की है जहाँ बीच सड़क पर बदमाशों ने यासीन की कार रूकवा कर उन्हें बाहर खींच लिया और उनके साथ मारपीट की।
- बदमाशों की संख्या लगभग 12 थी, वे थार और बोलेरो में आए थे और उनके पास कुल्हाड़ी व अन्य धारदार हथियार थे।
- यासीन को बदमाश इतनी बुरी तरह पीट रहे थे कि यासीन के साथ गाड़ी में मौजूद उनके दो साथी, भाजपा नेता परमेन्द्र शमी व वकील जितेन्द्र शर्मा भी उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं कर पाए।
- यासीन को अधमरी हालत में छोड़कर बदमाश भाग गए और यासीन के साथियों ने उन्हें एस.एम.एस. अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ इलाज के दौरान यासीन ने दम तोड़ दिया।
- मृतक यासीन का ट्रांसपोर्ट का बिज़नैस है और वे पिछले 20 साल से भाजपा में हैं।

अलवर के भाजपा नेता यासीन खान पर जानलेवा हमला, एस.एम.एस. अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस बारे में अभी तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। हालांकि, इस घटना के बाद पुलिस बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। यासीन का ट्रांसपोर्ट का बिज़नेस है और वे पिछले 20 साल से भाजपा से जुड़े हुए थे।

स्थानीय निवासियों के अनुसार 23 नवंबर 2023 को यासीन के भतीजे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)